No. EDN-U (Misc)/- 3945-46
Office of the,
Deputy Director of Higher Education
Una District Una (HP)

Email.ddheuna@rediffmail.com

22 Mar, 2021

To

All the Principal/Headmasters
GSSS/HS in Una Distt.

Subject:- **Regarding Niranjana Kanwar, Member, HPCPCR vide letter No. HPSCPCR-A(4)-27/2020, on 17/12/2020, regarding betterment of Children's overall development and effect due to COVID-19.**

Memo,

With reference to the Director of Higher Education Himachal Pradesh Shimla letter No. EDN-H (21) F (10) 9/2021-Misc-L dated 23 Feb, 2021 on the subject cited above.

The copy of Regarding Niranjana Kanwar, Member, HPCPCR vide letter No. HPSCPCR-A(4)-27/2020, on 17/12/2020, regarding betterment of Children's overall development and effect due to COVID-19 is enclosed herewith for your further necessary action.

Encls: As above

Deputy Director of Higher Education
Una District Una (HP)

Endst No. Even dated

Copy to:- 1 The Director of Higher Education HP Shimla for information please.

Sd/-
Deputy Director of Higher Education
Una District Una (HP)

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/3/23 10:39

No. EDN-H (21) F(10) 09/2021-Misc-L
Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh
Tel:01772653120Extn.234 e-mailgenbr@rediffmail.com Fax: 2812882

Dated: Shimla-171001 the February, 2021

To

23 FEB 2021

All the deputy Directors of Higher Education
in Himachal Pradesh.

Subject: - **Regarding Niranjana Kanwar, Member, HPCPCR vide letter No. HPSCPCR-A(4)-27/2020, on 17/12/2020, regarding betterment of Children's overall development and effect due to COVID-19**

Please find enclosed herewith a copy of letter no. CPCR-A(4)-2/2018-65-78 dated: 18/01/2021 received from the Director, WCD cum Member Secretary H.P. State Commission for Protection of Child Rights on the subject cited above.

In this connection, you are hereby directed to take further necessary action in the matter accordingly and send the compliance report to this Directorate positively.

Addl. Director of Higher Education (C)
Himachal Pradesh, Shimla-1

Endst. No. Even dated: Shimla-171001 the February, 2021

Copy for information and necessary action to:-

1. The Director, Women & Child Development cum Member Secretary H.P. State Commission for Protection of Child Rights w.r.t. letter under reference.
2. Guard file.

— sd —

Addl. Director of Higher Education (C)
Himachal Pradesh, Shimla-1

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/3/23 10:40

3943-44

4en
28.01.21

सी.पी.सी.आर.–ए(4)–2/2018– 65-78
राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग,
शर्मा भवन, बिलो बी.सी.एस., फेज–3,
न्यू शिमला–171009

सेवा में,

1. निदेशक,
   प्रारंभिक/उच्च शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश,
   लालपानी, जिला शिमला–171001
2. अध्यक्ष,
   बाल कल्याण समिति.........................

दिनाकः शिमला–171009, 18.1.2021

विषयः– Niranjana Kanwar, Member, HPCPCR vide letter No. HPSCPCR-A(4)-27/2020, on 17-12-2020, regarding betterment of Children's overall development and effect due to COVID-19.

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपको Smt. Niranjana Kanwar, Member, HPCPCR से प्राप्त पत्र की छायाप्रति संलग्न की जा रही है।

उपरोक्त मामला आयोग की बैठक में दिनांक 21.12.2020 को रखा गया जिसका अवलोकन करने पर आयोग को महसूस हुआ कि कोरोना संकट एवं लॉकडाउन के कारण बच्चों में मानसिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसे यदि गंभीरतापूर्वक नहीं लिया गया तो बच्चो के मानसिक एवं बौद्धिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। Child lines के पास कोरोना काल के दौरान बच्चो से बहुत ज्यादा संख्या में फोन calls आए है जिनकी गिनती हजारों में है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वे इस दौरान परिवार में आपसी झगड़ों, माता–पिता की रोक–टोक से परेशान हैं, इससे उनमें चिडचिड़ापन, आक्रामकता व तनाव पैदा हो रहा है, इस कारण कई बच्चे तो अपने माता–पिता के साथ रहना भी नहीं चाहते। बच्चे केवल घर के भीतर ही सिमटकर रह गए हैं क्योंकि ऐसे समय में तो बाहर भी नहीं जाया जा सकता। पार्क आदि बंद होने से उनके घूमने–फिरने व खेलने पर रोक सी लग गई है जिससे उनका शारीरिक विकास भी नहीं हो पा रहा है। कई बच्चे जरूरत से ज्यादा समय टीवी और मोबाइल गेम्स खेलने में बिता रहे हैं। बच्चों की दिनचर्या में भी काफी बदलाव आया है। वे अचानक उत्तेजित और बेचैन हो रहे हैं। अभिभावकों के लिए हर समय बच्चों पर नजर रखना मुश्किल हो गया है। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखकर उनका ध्यान लॉकडाउन से हटाने की कोशिश भी की, किन्तु इससे बच्चों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा।

इस मामले में आयोग ने यह व्यक्त किया कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी के कारण बच्चे अपने घरों में ही कैद हैं। उन्हे खेलने–कूदने एवं समाज में अन्य लोगों से मिलजुलकर रहने की आदत खत्म हो गई है जिससे उनका संपूर्ण विकास नहीं हो पा रहा है। अतः हमें बच्चों के साथ बात करके, उनकी बाते सुनकर व उनको नया वातावरण देकर उनकी इस समस्या का हल किया जा सकता है। इससे उनकी मनोस्थिति शांत व प्रसन्नचित्त रहेगी और उनका मानसिक व बौद्धिक विकास ठीक तरह से हो पाएगा। हमें उनसे मिलकर रूटीन बनाना चाहिए, उन्हें समय देना चाहिए, उनके साथ हर विषय पर खुलकर बातचीत करनी चाहिए, हमेशा उनके स्कूल के संपर्क में रहना चाहिए और Online Platform पर बच्चों की सुरक्षा को महत्व देना चाहिए। अतः आयोग ने निर्णय लिया कि शिक्षा विभाग एवं सभी बाल कल्याण समितियों को 9 से 15 वर्ष के बच्चों की online counselling करवाने का प्रावधान किया जाए तथा अभिभावकों को भी बच्चों के साथ उचित व्यवहार करने के लिए जागरूक किया जाए ताकि बच्चे तनावमुक्त रहें। इसके अतिरिक्त, संबंधित विभाग द्वारा मामला सरकार के साथ भी उठाया जाए कि प्रत्येक सरकारी स्कूल में counsellor की नियुक्ति की जाए जो समय–समय पर बच्चों की counselling कराएं जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास में मदद मिल सके।

भवदीय,

निदेशक (डब्ल्यू.सी.डी.) एवं सदस्य सचिव,
राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग,
हिमाचल प्रदेश

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/3/23 10:40

हि. प्र. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग
H.P. STATE COMMISSION FOR PROTECTION OF CHILD RIGHTS
शर्मा भवन, बी.सी.एस., फेज़-III, न्यू शिमला -171009
SHARMA BHAWAN, BCS, PHASE-III, NEW SHIMLA-171009

नरंजना कुमारी
सदस्य

Dy. No. 58
Date 17-12-20

Ref. No. HPSCPCR/-A(4)27/2020/2 Dated 17-12-2020

Note (नोट)

करोनावायरस (Covid-19) दुनियाभर के लोग अपने भविष्य को लेकर तनाव मे है। एक रिपोर्ट के अनुसार Childline India के पास 9-15 वर्ष के बच्चो की call लगातार आई है। जिस मे बच्चे चिड़चिड़ापन, आक्रमकता व अपने परिवार से परेशान है। बच्चे अपने माता पिता के आपसी झगड़े व रोक टोक से परेशान है। Childline India के अनुसार Lockdown के सिर्फ शुरुवाती 11 दिनो के बीच 92000 से अधिक काल आई है कई बच्चो की शिकायत है कि वह अपने माता पिता के साथ नही रहना चाहते। भारत मे Lockdown के 8½ महीने ज्यादा का समय गुजर चुका है। और स्कूल पार्क आदि बन्द है। जिस से इनके मनोरंजन के साधनो पर रोक सी लग गई है। इस से बच्चो के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। ऐसे मे हमे बच्चो की मनस्थिति को समझने की विशेष आवश्यकता है।

करोना संकट और लाकडाउन की स्थिति बच्चो के मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। यदि बच्चो मनोस्थिति को गंभीरता से नही लिया गया तो समस्या और बढ़ सकती है। बच्चो के साथ बात करके, उनकी बाते सुन कर, उनको नया वातावरण देकर इस समस्या का हल किया जा सकता है जिस से बच्चो की मनोस्थिति शांत प्रसन्नचित रहेगी और उन का मानसिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। और बेहतर मानसिकता का विकास हो पायेगा।

बच्चो (Children) की शिक्षा, स्वास्थ्य, एवम सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए निम्न पांच बिन्दुओ को प्रयोग मे लाने से बच्चो की मनोस्थिति को समझने मे मदद मिलेगी
1 बच्चो के साथ मिल कर रूटिन बनाये. 2. अपना समय दीजिए। 3. बच्चो के साथ खुलकर बातचीत करें। 4 Online Platform पर बच्चो की सुरक्षा. 5. अपने बच्चो के स्कूल के सम्पर्क मे रहे

मैं आयोग के समक्ष यह प्रस्ताव रखती हूं कि Director Education) निदेशक, निदेशा शिक्षा विभाग को एवम C.W.C को पत्र लिखा जाये कि 9-15 वर्ष के बच्चो की online Counselling करवाई जाये और अभिभावको को भी बच्चो के साथ व्यवहार के लिए दिशानिर्देश दे, ताकि बच्चे तनाव मुक्त रहें। आयोग से यह भी निवेदन है कि सरकार को यह सुझाव दे कि प्रत्येक स्कूल मे Councellor की नियुक्ति की जाये जो कि समय-समय पर बच्चो की Counselling कर सके जिस से बच्चो के भौतिक मानसिक व शारीरिक विकास मे मदद मिल सके।

यह प्रस्ताव आयोग के समक्ष आगामी कार्यवाही बैठक मे निर्णय लेने के लिए प्रस्तुत है।

अध्यक्षा एवम समस्त सदस्य गण

NKanwar
Member (Phychology)
(HPSCPCR)

दूरभाष नम्बर : 0177-2673940 ई-मेल : hpcpcr123@gmail.com
Contact No. 0177-2673940 E-mail : hpcpcr123@gmail.com

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/3/23 10:40